CBSE Class 6 Social Science Important Questions Civics Chapter 5 गाँव का प्रशासन

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
रघु का खेत मोहन से कितनी दूर है?
उत्तर:
रघु और मोहन के खेत पास - पास हैं।

प्रश्न 2.
रघु ने क्या किया?
उत्तर:
रघु ने अपनी खेत की मेड़ को थोड़ा आगे अदा लिया जिससे रघु का खेत थोड़ा बड़ा हो गया और मोहन का खेत थोड़ा डोटा हो गया।

प्रश्न 3.
मोहन के विरोध का क्या परिणाम हुआ?
उत्तर:
मोहन के विरोध पर रघु ने मजदूरों के साथ मिलकर मोहन की पिटाई की जिससे सिर व हाथों में चोटें आई।

प्रश्न 4.
मोहन ने शहर के बड़े धाने चलने से मना क्यों कर दिया?
उत्तर:
मोहन ने शहर के बड़े थाने चलने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि मोहन का खेत शहर के बड़े थाने के कार्यक्षेत्र में नहीं आता था।

प्रश्न 5.
जमीन को मापने और उसका रिकॉर्ड रखने का कार्य कौन करता है?
उत्तर:
पटवारी।

प्रश्न 6.
पटवारी को अन्य किन - किन नामों से पुकारा जाता है?
उत्तर:
पटवारी को लेखपाल, कर्मचारी, ग्रामीण अधिकारी तथा कानूनगो नामों से भी पुकारा जाता है।

प्रश्न 7.
'जरीव' क्या है?
उत्तर:
पटवारी के पास या राजस्व विभाग के पास जमीन को नापने की एक लंबी लोहे की जंजीर को 'जरीब' कहते हैं।

प्रश्न 8.
जमीन से जुड़े मामलों की सुनवाई कौन करता है?
उत्तर:
जमीन से जुड़े मामलों की सुनवाई तहसीलदार करता हैं।

प्रश्न 9.
खसरा क्या है?
उत्तर:
खसरा पटवारी द्वारा रखा गया गाँव के लोगों की जमीन के रिकॉर्ड का एक हिस्सा है।

प्रश्न 10.
खसरा नम्बर से क्या पता चलता है?
उत्तर:
खसरा नम्बर से यह पता चलता है कि जमीन का कौनसा टुकड़ा किसके नाम है, उसकी नाप क्या है तथा उस पर क्या फसल बोयी गई है।

प्रश्न 11.
राजस्व क्या है?
उत्तर:
सरकार सालाना आधार पर भूमि स्वामी से कुछ भूमि कर लेती है। इसी भूमि - कर को राजस्व कहा जाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
गाँव के प्रशासनिक डाँचे की क्या आवश्यकता है?
उत्तर:
गाँव की पानी, बिजली, सड़क आदि की जरूरतों को पूरा करने तथा जमीन के दस्तावेजों का रखरखाव करने तथा उनके आपसी विवादों को निबटाने की व्यवस्था करने हेतु गांव के प्रशासनिक डाँचे की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 2.
भारतीय गाँवों की चार मुख्य समस्यायें लिखिये।
उत्तर:
भारतीय गाँवों की समस्यायें:

- पीने के पानी की समस्या
- बिजली की समस्या

https://www.evidyarthi.in/

- शिक्षा की समस्या
- सड़कों की समस्या।

प्रश्न 3.
मोहन की बात की सच्चाई का पता कैसे लग सकता था?
उत्तर:
मोहन की बात की सच्चाई का पता पटवारी, मोहन और रघु के खेतों को नापकर यह देख सकता था कि वह गाँव के नक्शे के माप से मेल खाता है या नहीं। अगर वह नक्शे से मेल नहीं खाता तो उसको पता चल जाता कि मेड़ सिखाकाकर खेत की सीमा बदली गई है।

प्रश्न 4.
थानेदार की क्या जिम्मेदारी है?
उत्तर:
थानेदार की यह जिम्मेदारी होती है कि वह थाने में लिखी गई चोरी, दुर्घटना, मारपीट, झगड़े आदि की रपट के सम्बन्ध में लोगों से पूछताछ करे और अपने क्षेत्र के अन्दर के मामलों की कार्यवाही करे।

प्रश्न 5.
पुलिस थाना क्या है?
उत्तर:
गाँव के विवादों, दुर्घटना, चोरी आदि से संबंधित समस्याओं को निपटाने व वहाँ शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस थानों की स्थापना की गई है, जिसका शीर्ष अधिकारी भानेदार कहलाता है। हर पुलिस थाने का एक कार्य क्षेत्र होता है जो उसके नियंत्रण में रहता है। उस कार्य क्षेत्र के लोग उसी थाने में अपनी रपट लिखवा सकते हैं।

प्रश्न 6.
पटवारी कौन होता है और उसके क्या कार्य हैं?
उत्तर:
पटवारी गाँव की जमीन का लेखा - जोखा रखने वाला राजस्व विभाग का एक कर्मचारी होता है। प्रत्येक पटवारी कुछ गाँवों के लिए जिम्मेदार होता है।

1. पटवारी का मुख्य काम जमीन को नापना और उसका रिकॉर्ड रखना होता है। सामान्यतः खेत को नापने के लिए उसके पास एक लंबी लोहे की जंजीर होती है जिसे जरीब
2. पटवारी किसानों से भूमि कर भी इकट्ठा करता है।
3. वह सरकार को अपने क्षेत्र में उगने वाली फसलों की जानकारी अपने रिकॉर्ड्स के आधार पर देता है।